भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2575

11 अगस्त, 2023 को उत्तरार्थ

विषय: नई मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना

2575. श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने नई मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू करने की अंतिम समय सीमा निर्धारित की है;

(ख) ग्राम पंचायत और ब्लॉक स्तर पर बनाए जाने वाले मृदा स्वास्थ्य उद्यमियों के नेटवर्क की स्थापना और उनके चयन, प्रशिक्षण और उन्हें आवश्यक मृदा परीक्षण मशीनों से लैस करने की विधि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या नमूना प्राप्त होने वाले स्थानों पर रिमोट सेंसिंग और मिट्टी के गुणों के उपग्रह से प्राप्त लक्षणों का उपयोग करके स्थानिक-अस्थायी पैमाने पर मिट्टी के स्वास्थ्य मूल्यांकन के लिए डिजिटल मिट्टी मानचित्रण शुरू किया जाएगा?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क): मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) योजना के तहत वर्ष 2014-15 में शुरू की गई थी, जिसमें देश के सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करने में राज्य सरकारों की सहायता के लिए मृदा नमूने, परीक्षण और एसएचसी के निर्माण का बड़े पैमाने पर एक कार्यक्रम शुरू किया गया था। मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों को उनकी मृदा में पोषक तत्वों की स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान करता है, साथ ही मृदा के स्वास्थ्य और उसकी उर्वरता में सुधार के लिए पोषक तत्वों की उचित खुराक की सिफारिश भी करता है।

अब, भारत सरकार ने नई मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना में कुछ तकनीकी हस्तक्षेप किए हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल को नया रूप दिया गया है और इसे भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के साथ एकीकृत किया गया है ताकि सभी परीक्षण परिणामों को कैप्चर किया जा सके और उन्हें मानचित्र पर देखा

जा सके। योजना के कार्यान्वयन/निगरानी को सुचारू बनाने और किसानों को अपने मृदा स्वास्थ्य कार्ड तक आसान पहुंच की सुविधा प्रदान करने के लिए, मोबाइल एप्लिकेशन को अतिरिक्त सुविधाओं अर्थात मृदा नमूने इकट्ठा करने वाले ग्राम स्तर के उद्यमी/ऑपरेटर के लिए नमूना संग्रह क्षेत्र को सीमित करना, लोकेशन के अक्षांश और देशांतर का स्वत: चयन और बिना किसी मैन्युअल हस्तक्षेप के भू-मैप किए गए प्रयोगशालाओं से सीधे पोर्टल पर नमूनों और सभी नमूनों के परीक्षण परिणामों को जोड़ने के लिए एक क्यूआर कोड के सृजन के साथ मजबूत बनाया गया है। नई प्रणाली अप्रैल, 2023 से पहले ही शुरू हो गई है और नमूने मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से एकत्र किए जाते हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड संशोधित पोर्टल पर बनाए जाते हैं। नई प्रणाली हेतु राज्यों के लिए 56 प्रशिक्षण सत्रों की व्यवस्था की गई है।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना को वर्ष 2022-23 से 'मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता' नाम से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) कैफेटेरिया योजना में इसके एक घटक के रूप में विलय कर दिया गया है।

(ख): ग्राम स्तरीय मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं (वीएलएसटीएल) की गाइडलाइन 22.06.2023 को जारी की गई है। वीएलएसटीएल की स्थापना व्यक्तिगत उद्यमियों अर्थात ग्रामीण युवा तथा समुदाय आधारित उद्यमियों अर्थात स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), स्कूलों, कृषि विश्वविद्यालयों आदि द्वारा की जा सकती है। लाभार्थी/ग्राम स्तरीय उद्यमी युवा होना चाहिए जिसकी आयु 18 वर्ष से कम तथा 27 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को भी वीएलएसटीएल के रूप में नामांकित किया जा सकता है। इन समूहों के नामांकन की पात्रता जिला स्तरीय कार्यकारी समिति (डीएलईसी) द्वारा तय की जाती है।

प्रक्रिया के अनुसार कोई आवेदक उद्यमी अपेक्षित योग्यता प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, आधार कार्ड के साथ आवेदन उप निदेशक/जिला कृषि अधिकारी के कार्यालय में जमा करा सकता है। मृदा नमूनाकरण, परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के सृजन संबंधी वीएलएसटीएल का प्रशिक्षण विनिर्माताओं और राज्य सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है। वीएलएसटीएल किसानों को उर्वरक अनुशंसा और फसल अनुशंसा के बारे में भी शिक्षित करते हैं।

(ग) भारतीय मृदा एवं भूमि उपयोग सर्वेक्षण, डीएएंडएफडब्ल्यू द्वारा देश के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में उच्च रिज़ॉल्यूशन उपग्रह डेटा और फ़ील्ड सर्वेक्षण/ग्राउंड डेटा का उपयोग करके 1:10000 पैमाने पर विस्तृत मृदा मानचित्रण किया जाता है। यह मृदा संसाधन सूचना डिजिटल प्रारूप में एक भू-स्थानिक डेटा है और एसएचसी से अलग तैयार किया जाता है।

*****